मनमानी | विभागीय मंत्री के आदेश भी हो रहे बेअसर

पीएचई विभाग की जारी है मनमानी

नवभारत/ नरसिंहपुर/ तेंदूखेड़ा इन दिनों पढ़ रही भीषण गर्मी के चलते जहां आम जनजीवन अस्त-व्यस्त बना हुआ है वहीं जमीनी जल स्तर काफी नीचे चले जाने के कारण हेंड पंपों से पानी की जगह हवा निकल रही है और कहीं कहीं पानी निकल भी रहा है तो मटमेला पानी वह भी 5 से 10 मिनिट में ही गड्ढे पानी देना बंद कर देते हैं। ग्रामीण अपने दैनिक निस्तारों को आस पास के कुओं या खेतों में स्थित ट्यूबवेल में जाकर नहाने धोने के साथ अपने और मवेशियों को पानी पीने की व्यवस्था कर रहे हैं ।हेंड पंपों से पानी ना निकलने की शिकायतों और नलियां बढ़ाने से लेकर गांव में चल रही नल जल योजनाओं का काम लंबित होने जल जीवन मिशन के तहत हो रहे कार्यों में मनमानियों का दौर इतना बड़ा हुआ है कि स्वयं पी एच ई मंत्री से शिकायतें करने और वहां से तत्काल निराकरण के आदेश के बाबजूद भी अधिकारी ध्यान नहीं दे रहे हैं ।ऐसा एक उदाहरण समीपी ग्राम पंचायत भौंरा में देखने को मिला है। जहां स्थानीय सरपंच द्वारा कलेक्टर महोदया से लेकर विभागीय मंत्री से पत्राचार कर ध्यान आकृष्ट कराया गया है वहां से लिखित आदेश होने के बाबजूद हालात जस के तस बनें हुए हैं।

विभिन्न वार्डों में समस्या

हमारे प्रतिनिधि को मिली जानकारी के अनुसार ग्राम पंचायत भौंरा के अंतर्गत सुन्हैटी और विचुआ देवरी ग्राम आते हैं। यहां पर जल जीवन मिशन का का लंबित पड़ा हुआ है। ग्राम पंचायत के अंतर्गत आने वाले विभिन्न वार्डों में लगभग 11 हेडपंप लगे हुए हैं लेकिन इनमें से अधिकांश हेंड पंप खराब स्थिति में है ।सुन्हैटी के हरिजन और टोला मुहल्ला तथा भौंरा के विश्वकर्मा मुहल्ला का हेडपंप खराब स्थिति में है। यहां के सरपंच की शिकायत के आधार पर जल जीवन मिशन के अंतर्गत स्वीकृत रेट्रो फिटिंग का कार्य शीघ्र पूर्ण करने समस्या ग्रस्त वार्डों में एक एक हेडपंप खनन मोटर डालने और टंकी की व्यवस्था हेतु आदेशित किया गया है लेकिन अभी तक कोई उचित व्यवस्था नहीं हो सकी है। उक्त आदेश हुये दो माह से अधिक होने को है।

बंधी सर्रा में भी गंभीर समस्या

ठेकेदारों की मनमानी का एक उदाहरण समीपी ग्राम बंधी सर्रा में भी देखने को मिल रहा है जहां पर लाखों रुपए की लागत से दो तीन साल में पानी की टंकी का निर्माण ना हो पाने की स्थिति में लोग परेशान बनें हुए हैं। टंकियां बनने के पूर्व ही निर्धारित मापदंडों को दरकिनार कर घटिया पाइप लाइन डाल दिये जाने से पाइप लाइन जहां तहां से टूट चुकी है। और पाइप लाइन बिछाने के लिए पक्की सड़कें खोदकर डाल दी गई है। यहां की महिला सरपंच श्रीमती रजनी नारायण लोधी द्वारा भी संबंधित विभागीय अधिकारियों को जानकारी दी गई है लेकिन आज तक उचित व्यवस्था नहीं हो सकी है।

बिजली की समस्या से बाधित हो रही पेयजलापूर्ति

इन दिनों ग्रामीण क्षेत्रों से लेकर नगरीय क्षेत्रों में पेयजल आपूर्ति को लेकर गंभीर समस्या बनी हुई है ।नगर परिषद तेंदूखेड़ा क्षेत्र में करोंदी से आने वाले नर्मदा जल से ही पेयजलापूर्ति संभव हो पाती है। लेकिन यहां पर बिजली की अघोषित कटौती के चलते विद्युत मोटरों के माध्यम से पानी ना आ पाने के कारण आपूर्ति बाधित हो रही है ।जरुरत मंद अपने निस्तार के लिए टेंकरों से पानी बुलाने के लिए मजबूर देखे जा रहे हैं ।कुछ वार्डों के लोग यहां वहां से पानी भरकर लाते हुए देखे सुने जा रहें हैं।

साईंखेड़ा क्षेत्र में रात के अंधेरे में अवैध मिट्टी खुदाई का खेल

नवभारत/ साईंखेड़ा। साईंखेड़ा क्षेत्र में इन दिनों अवैध मिट्टी खुदाई और परिवहन का मामला लगातार चर्चा का विषय बना हुआ है। क्षेत्र के ग्रामीणों और स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया है कि रात के समय डम्परों और भारी वाहनों के माध्यम से बिना अनुमति मिट्टी का अवैध उत्खनन किया जा रहा है तथा उसे निजी घरों, प्लाटों और अन्य स्थानों पर डल वाया जा रहा है। लोगों का कहना है कि पूरे क्षेत्र में अवैध मिट्टी खुदाई एवं पुराई का कार्य खुलेआम चल रहा है, लेकिन जिम्मेदार विभाग कार्रवाई करने के बजाय मूकदर्शक बना हुआ है। स्थानीय नागरिकों के अनुसार अवैध मिट्टी परिवहन का कार्य अधिकतर रात के समय किया जाता है, जिससे प्रशासन और विभागीय निगरानी से बचा जा सके। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि कई बार खनिज विभाग के अधिकारियों को फोन पर सूचना दी गई, फोटो और वीडियो भी भेजे गए, लेकिन इसके बावजूद अवैध कार्य नहीं रुका। इससे लोगों में विभाग की कार्यशैली को लेकर नाराजगी और अविश्वास बढ़ता जा रहा है।

शासकीय चरनोई भूमि पर अवैध खुदाई के आरोप

ग्रामीणों का आरोप है कि पूर्व में रखी हुई मिट्टी उठाने के नाम पर अनुमति जारी की गई थी, जबकि जिस शासकीय चरनोई भूमि से मिट्टी निकाली गई वहां पहले से कोई मिट्टी रखी ही नहीं थी। आरोप है कि परिवहन अनुमति की आड़ में बड़े पैमाने पर अवैध मिट्टी खनन किया गया और बाद में उसी मिट्टी को विभिन्न स्थानों पर डलवाया गया। लोगों ने यह भी आरोप लगाया कि पूरे मामले में पटवारी और पंचायत स्तर पर भी मिलीभगत रही, जिसके कारण शिकायतों के बावजूद कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। ग्रामीणों का कहना है कि शिकायतों के बाद कुछ समय तक कार्य बंद रहा, लेकिन बाद में फिर से अनुमति जारी कर दी गई और उसी के नाम पर दोबारा अवैध खुदाई शुरू हो गई।

विभागीय कार्रवाई पर उठ रहे सवाल

क्षेत्रवासियों ने आरोप लगाया कि खनिज विभाग को लगातार जानकारी दिए जाने के बावजूद अवैध मिट्टी परिवहन करने वाले डम्परों पर न तो जब्ती की कार्रवाई की गई और न ही किसी जिम्मेदार व्यक्ति पर मामला दर्ज किया गया। लोगों का कहना है कि यदि समय रहते कार्रवाई होती तो क्षेत्र में अवैध खनन का यह नेटवर्क इतना सक्रिय नहीं हो पाता। ग्रामीणों ने हाल ही में सांससारखेड़ा रेत खदान पर हुई घटना का भी उल्लेख किया, जिसमें ओवरलोड रेत से भरे डम्पर में करंट लगने से चालक की मौत हो गई थी। स्थानीय लोगों का आरोप है ।

दिवंगत शिक्षक के परिजनों को संघ ने दिये 26 लाख रुपए

नवभारत/ तेंदूखेड़ा। बूंद बूंद से घड़ा भरने की कहावतें तो सबने सुनी है और सहयोग की मिसालें भी अक्सर कर देखने सुनने मिल ही जाया करतीं हैं लेकिन एक दिवंगत शिक्षक को असमय अपने परिवार के बीच से चले जाने के बाद संगठन के द्वारा मदद का जो अनूठा उदाहरण प्रस्तुत किया है वास्तव में सराहनीय है। हमारे प्रतिनिधि को पी एम यू एम एस संघ एवं कर्मचारी कल्याण कोष द्वारा गाडरवारा क्षेत्र के एक प्राथमिक शिक्षक व्रजेश श्रीवास का अचानक हृदय गति रुक जाने के दौरान निधन हो जाने पर उनके पुत्र आदित्य श्रीवास एवं पत्नी श्रीमती योगिता श्रीवास के सामने ना केवल एक बहुत बड़ा पहाड़ टूटा था बल्कि जीविकोपार्जन का भी संकट आ गया था। संगठन ने इस विषय को बहुत ही गंभीरता से लिया और अपने साथी शिक्षक के परिजनों को संगठन के सभी सदस्यों ने राशि एकत्रित कर उनके बैंक खातों में 26,13,384 रुपये की राशि एकत्रित कर सहयोग किया। निश्चित तौर पर कर्मचारियों के इतिहास में सबसे बड़ा प्रेरणादायक आर्थिक सहयोग है। इसके पूर्व भी इस संगठन ने सागर जिले के एक शिक्षक साथी का सहयोग किया था।

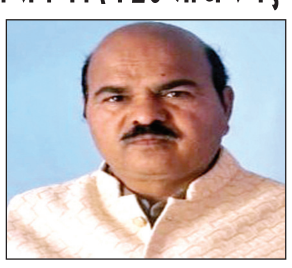

भीषण गर्मी में बिजली कटौती से भड़के किसान, भारतीय किसान संघ ने सौंपा ज्ञापन

नवभारत/ साईंखेड़ा। लगातार हो रही बिजली कटौती, ओवरलोड ट्रांसफार्मरों और जर्जर विद्युत व्यवस्थाओं से परेशान किसानों और ग्रामीणों की समस्याओं को लेकर भारतीय किसान संघ तहसील साईंखेड़ा ने विद्युत विभाग कार्यालय पहुंचकर ओआईसी को ज्ञापन सौंपा। किसान संघ पदाधिकारियों ने आरोप लगाया कि लोड सेटिंग के नाम पर ग्रामीण क्षेत्रों एवं कृषि फीडरों की बिजली बार-बार बंद की जा रही है, जिससे आम जनता और किसानों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। किसान संघ ने ज्ञापन में कहा कि वर्तमान समय में भीषण गर्मी पड़ रही है और तापमान लगातार बढ़ रहा है। ऐसे समय में रात के दौरान एक-एक घंटे तक बिजली कटौती किए जाने से छोटे बच्चों, बुजुर्गों, महिलाओं और किसानों को अत्यधिक परेशानी झेलनी पड़ रही है। ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली बंद होने से पेयजल व्यवस्था भी प्रभावित हो रही है तथा किसानों के कृषि कार्यों पर भी असर पड़ रहा है। संघ पदाधिकारियों ने कहा कि शहरों की अपेक्षा ग्रामीण क्षेत्रों में अधिक बिजली कटौती की जा रही है, जो ग्रामीण जनता के साथ भेदभावपूर्ण रवैया है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र के लोग भी करदाता और मतदाता हैं, इसलिए उन्हें भी समान रूप से बिजली सुविधा मिलना चाहिए। किसानों ने चेतावनी दी कि यदि अनावश्यक बिजली कटौती बंद नहीं की गई तो किसानों और ग्रामीणों में आक्रोश और बढ़ेगा। ज्ञापन में नगर साईंखेड़ा की विद्युत व्यवस्था की बदहाली का भी उल्लेख किया गया। किसानों ने बताया कि कई ट्रांसफार्मर ओवरलोड होने के कारण बार-बार फाल्ट हो रहे हैं, जिससे पूरे क्षेत्र की बिजली व्यवस्था प्रभावित होती है। इसके अलावा विभिन्न गांवों में बिजली के तार झूल रहे हैं और कई स्थानों पर खंभों की स्थिति भी खराब है, जिससे हादसों की आशंका बनी रहती है। संघ ने मांग की कि जर्जर तारों और खंभों को तत्काल बदला जाए तथा जले हुए ट्रांसफार्मरों को तुरंत बदलकर पर्याप्त संख्या में ट्रांसफार्मर उपलब्ध कराए जाएं।

एनसीसी शिविर में गये छात्र हुए बीमार, पालकों को खबर तक नहीं

तेंदूखेड़ा। ऐसी चिलचिलाती भीषण गर्मी धूप में जबलपुर में एन सी सी शिविर का आयोजन किया गया है ।दस दिवसीय इस शिविर में तेंदूखेड़ा क्षेत्र से 41 छात्र गये हुए हैं। जिनमें से कुछ छात्रों को लू और फूड प्वाइजनिंग के चलते बीमार होने की जानकारी तब जबलपुर के समाचार पत्रों में खबर छपी। बच्चे आई सी यू वार्ड से लेकर जनरल वार्डों में भर्ती रहे। लेकिन इन पीड़ित बच्चों के पाल्यों को सूचना तक नहीं मिली और इन बच्चों को शिविर में साथ लेकर गये प्रभारी शिक्षक द्वारा सूचना देना भी उचित समझा। पीड़ित बच्चों के नातेदारों ने अस्पताल में स्वयं जाकर उनकी स्थिति देखी तो बताया कि पानी और भोजन तथा तेज गर्मी से ही बच्चे बीमार हुये हैं। पालकों द्वारा तत्काल फोन से संपर्क किया गया तब कहीं उन्हें जानकारी मिल सकी।

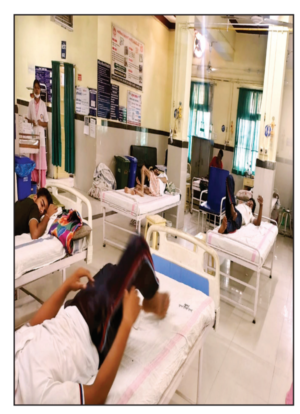

एक नजर में

भक्तों के लिए परमात्मा का अवतार

गोटेगांव। के समीप करकबेल में चल रही श्रीमद्भागवत के कथा ज्ञान यज्ञ मैं पंचम दिवस के अंतर गत कथा व्यास श्री अनंत तिवारी ने बताया की धर्म की की रक्षा और भक्तों के मनोरथ पूर्ण करने के लिए परमात्मा पृथ्वी पर अवतार धारण करता है यह कथा हम सब को यह बताती हैं की भगवान की अगर हम भक्ति करते हैं परमात्मा हरदम हमारे साथ होकर रक्षा करता है कथा व्यास अनंत तिवारी वाराणसी यजमान श्रीमती अनीता राजू श्रीवास्तव एवं समस्त करकबेल बौछार ग्रामवासी के द्वारा कथा का आनंद लिया जा रहा है

आसमान से बरसी आग, अस्त-व्यस्त हुआ जनजीवन

नवभारत/ तेंदूखेड़ा। इन दिनों पढ़ रही भीषण तेज गर्मी के कारण आम जनजीवन अस्त-व्यस्त बना हुआ है। प्रतिदिन तापमान 44 से 46 तक पहुंच रहा है ।सुबह से ही गर्म तेज हवाएं देर रात्रि तक चलने से लोग कूलर पंखों का सहारा ले रहे हैं ।सुबह से ही अधिकांश सडकों पर सन्नाटा पसर जाता है ।वहीं तेज गर्मी के कारण बुखार और पेट संबंधी उल्टी दस्त की बीमारियां बढ़ रही है ।मूक प्राणी मवेशी छाया दार वृक्षों के नीचे बैठे देखे जा रहे हैं लेकिन उनके लिए पीने के पानी की समस्या बनीं हुई है।

पुलिस अधीक्षक डॉ. ऋषिकेश मीना द्वारा की गयी अनुभाग नरसिंहपुर के थानों की अपराध समीक्षा

नवभारत/ नरसिंहपुर ।लंबित अपराधों के शीघ्र निराकरण के निर्देश दिए गए। महिला, बालक एवं कमजोर वर्ग से संबंधित मामलों में संवेदनशीलता से कार्य करने पर जोर। गुमशुदा व्यक्तियों/बालकों की त्वरित तलाश हेतु प्रभावी कार्यवाही के निर्देश। बीट सिस्टम को और अधिक सक्रिय व जवाबदेह बनाने पर बल। आमजन से बेहतर संवाद एवं पुलिसङ्कजनसंपर्क को मजबूत करने के निर्देश। पुलिस अधीक्षक, डॉ. ऋषिकेश मीना द्वारा 21 को पुलिस कंट्रोल रूम में अनुभाग नरसिंहपुर के थानों की कानून व्यवस्था एवं अपराध समीक्षा की गयी। बैठक में जिले के अति. पुलिस अधीक्षक, संदीप भूरिया सहित सभी एसडीओपी, नरसिंहपुर, मनोज गुप्ता थाना प्रभारी, कोतवाली, करेली, स्टेशनगंज एवं चैकी प्रभारी, उपस्थित हुये। उक्त बैठक के दौरान पुलिस अधीक्षक द्वारा थानावार अपराधों की समीक्षा की गयी। समीक्षा के उपरान्त सुरक्षा इंतजामों को लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। अपराध नियंत्रण एवं बेहतर पुलिसिंग के लिये निम्नांकित दिशा-निर्देश दिये गये गंभीर अपराधों की सूचना मिलते ही तत्काल प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज कर उसकी तुरंत विवेचना शुरू करते हुए उसका समयवधि में निराकरण किया जावे ताकि पीड़ित को जल्द से जल्द न्याय मिल सके। अपने-अपने थाना क्षेत्रों में संगठित अपराधों पर पूर्णत: अंकुश लगाया जावे साथ ही लंबित प्रकरणों का जल्द निराकरण किया जावे।

गोटेगांव में युवक की हत्या मामले में चार आरोपी हिरासत में

गोटेगांव। नरसिंहपुर जिले के गोटेगांव थाना क्षेत्र में लकड़ी कारोबार को लेकर हुए विवाद में युवक रंजीत पटेल की मौत के मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए चार आरोपियों को हिरासत में ले लिया है। मामले में अब हत्या की धारा जोड़ने की तैयारी की जा रही है।

एसडीओपी ने दी जानकारी

गोटेगांव एसडीओपी मनीष कुमार त्रिपाठी ने बताया कि रंजीत पटेल को मारपीट की गंभीर चोटों के कारण गोटेगांव अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां उपचार के दौरान उसकी मृत्यु हो गई। पुलिस ने तत्काल मौके पर पहुंचकर जीरो पर एफआईआर दर्ज की और प्रारंभिक जांच में दो व्यक्तियों के खिलाफ मामला दर्ज हुआ था।

जांच में बढ़े आरोपी

एसडीओपी के अनुसार, आगे की पूछताछ और घटनाक्रम की कड़ियों को जोड़ने पर कई अन्य लोगों के नाम भी सामने आए। पुलिस ने मामले में गुड्डू पटेल, सुरेंद्र, छोटू और नीतेश राजपूत को हिरासत में लेकर गहन पूछताछ शुरू कर दी है।

पुलिस का कहना है कि अन्य संभावित आरोपियों की भी तलाश की जा रही है और सभी को जल्द गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया जाएगा।

व्यवसायिक प्रतिस्पर्धा बनी वजह

प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि रंजीत पटेल और मुख्य आरोपी गुड्डू पटेल दोनों ही किसानों से लकड़ी ठेके पर लेकर खरीदने का काम करते थे। इसी व्यवसाय में प्रतिस्पर्धा और आपसी विवाद के चलते घटना को अंजाम दिया गया। बताया गया है कि घटना से एक दिन पहले भी दोनों एक ढाबे में साथ बैठे थे, जहां उनके बीच विवाद हुआ था।

302 की धारा जोड़ने की तैयारी

पुलिस के अनुसार, पहले मारपीट का मामला दर्ज किया गया था, लेकिन पोस्टमार्टम रिपोर्ट प्राप्त होते ही प्रकरण में धारा 302 का इजाफा किया जाएगा।

नर्मदा चिंतन महापुराण से धर्ममय हुआ पूरा क्षेत्र

नवभारत/ गाडरवारा। समीपी ग्राम कामती स्थित यज्ञशाला प्रांगण में आयोजित पंच कुण्डीय श्री शतचंडी महायज्ञ एवं नर्मदा चिंतन महापुराण का आयोजन श्रद्धा, भक्ति और आध्यात्मिक ऊर्जा के साथ निरंतर जारी है। अवधूत महायोगी श्री दादा गुरु भगवान की प्रेरणा से आयोजित यह धार्मिक अनुष्ठान पुरुषोत्तम माह के पावन अवसर पर 25 मई तक संपन्न होगा, जिससे पूरे क्षेत्र का वातावरण भक्तिमय और धर्ममय हो गया है। यज्ञ स्थल पर प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचकर धार्मिक अनुष्ठानों एवं संतों के प्रवचनों का लाभ ले रहे हैं। प्रतिदिन शाम 5 बजे से रात 8 बजे तक एवं रात्रि 8 बजे से 11 बजे तक संतों के दिव्य प्रवचन आयोजित हो रहे हैं, जिन्हें सुनने के लिए आसपास के गांवों सहित क्षेत्रवासी ग्राम कामती पहुंच रहे हैं। आयोजन के तहत 23 एवं 24 मई को अवधूत महायोगी दादा गुरु भगवान के विशेष प्रवचन कथास्थल पर होंगे, जिसका श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखा जा रहा है। कथावाचक साध्वी सत्यप्रिया गिरी (श्री श्री 1008 महामंडलेश्वर काशी पीठ) ने अपने प्रवचनों में भगवान हनुमान की अटूट भक्ति और त्याग का वर्णन करते हुए कहा कि लंका युद्ध के समय हनुमान जी संजीवनी बूटी लाकर लक्ष्मण के प्राणों की रक्षा करने वाले परम भक्त थे, जो सेवा, समर्पण और शक्ति के प्रतीक हैं। वहीं वृंदावन धाम से पधारी साध्वी प्रभा भारती ने मां नर्मदा की महिमा का गुणगान करते हुए कहा कि मां नर्मदा के दर्शन मात्र से ही संकटों का नाश होता है तथा नर्मदा घाटों पर दान-पुण्य का विशेष महत्व है। प्रवचनकर्ता रविकांत शास्त्री ने अपने उद्बोधन में कहा कि मनुष्य को सदैव अच्छे लोगों की संगति में रहना चाहिए, क्योंकि कुसंगति व्यक्ति को पतन और बर्बादी की ओर ले जाती है। आयोजन स्थल पर उमड़ रही श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए पुलिस विभाग द्वारा सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। वहीं आयोजन समिति के सदस्य पूरे समर्पण और मनोयोग से इस धार्मिक कार्यक्रम को सफल बनाने में जुटे हुए हैं। धार्मिक अनुष्ठान, संतों के प्रवचन और भक्तिमय वातावरण ने ग्राम कामती सहित पूरे क्षेत्र को आध्यात्मिक ऊर्जा और आस्था से सराबोर कर दिया है।

महिला सशक्तिकरण और सुरक्षा सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता : साधना

लापता महिलाओं-बालिकाओं के मामलों में त्वरित व कड़ी कार्यवाही के निर्देश, विभिन्न गंभीर मुद्दों की समीक्षा

नवभारत/ गाडरवारा। मध्यप्रदेश राज्य महिला आयोग की सदस्य (राज्य मंत्री दर्जा) साधना स्थापक की अध्यक्षता में गुरुवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित समीक्षा बैठक में महिला सशक्तिकरण, सुरक्षा और स्वावलंबन को लेकर कई महत्वपूर्ण निर्देश जारी किए गए। उन्होंने कहा कि महिलाओं की सुरक्षा और सशक्तिकरण सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है और सभी विभाग समन्वय बनाकर अंतिम पंक्ति तक खड़ी महिलाओं को योजनाओं का लाभ पहुंचाएं। बैठक में महिलाओं और बालिकाओं के लापता होने के मामलों पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए पुलिस व प्रशासन को त्वरित और कड़े कदम उठाने के निर्देश दिए गए। ऑपरेशन मुस्कान के तहत लापता बच्चों की दस्तयाबी और ऑपरेशन अपराजिता के माध्यम से स्कूलों में बैड टच व गुड टच को लेकर जागरूकता बढ़ाने पर जोर दिया गया। साधना स्थापक ने महिला उत्पीड़न, घरेलू हिंसा, दहेज प्रकरण, स्वाधार गृह, वन स्टॉप सेंटर, परिवार परामर्श केंद्र और कार्यस्थलों पर लैंगिक उत्पीड़न रोकने संबंधी व्यवस्थाओं की समीक्षा की। पीड़ित महिलाओं को निःशुल्क विधिक सहायता और अपराधियों पर सख्त कार्यवाही के निर्देश दिए गए। बैठक में प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना में आधार और बैंक लिंकिंग संबंधी तकनीकी समस्याओं को तत्काल दूर करने के निर्देश दिए गए। स्वास्थ्य विभाग की रिपोर्ट में बताया गया कि जिले में मातृ मृत्यु अनुपात (रू्रूक्र) 176 से घटकर 104 पर पहुंच गया है, जो राज्य औसत 170 से बेहतर स्थिति दर्शाता है।

अधिकारी रहे मौजूद

महिला स्वसहायता समूहों को शहद उत्पादन, बाजार उपलब्धता, एमएसएमई योजनाओं का लाभ और जेल से रिहा महिलाओं को मुख्यधारा से जोड़कर आत्मनिर्भर बनाने पर भी चर्चा हुई। साधना स्थापक ने स्वाधार गृह की स्थिति पर चिंता जताते हुए नए और बेहतर स्वाधार गृह के प्रस्ताव तत्काल मंगाने के निर्देश दिए। बैठक में कलेक्टर रजनी सिंह, पुलिस अधीक्षक डॉ. ऋषिकेश मीणा, सीईओ जिला पंचायत गजेन्द्र सिंह नागेश, एएसपी संदीप भूरिया, सीएमएचओ डॉ. मनीष मिश्रा सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

संगीतमय श्री नर्मदा पुराण कथा एवं रुद्री निर्माण-रुद्राभिषेक कार्यक्रम जारी

नवभारत/ गाडरवारा। पुरुषोत्तम माह के पावन अवसर पर स्थानीय आजाद वार्ड स्थित इंद्रा कॉलोनी में 17 मई से 23 मई 2026 तक आयोजित संगीतमय श्री नर्मदा पुराण कथा एवं रुद्री निर्माण-रुद्राभिषेक कार्यक्रम श्रद्धा और भक्ति भाव के साथ जारी है। आयोजन के प्रथम दिवस भव्य कलश यात्रा निकाली गई, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। प्रतिदिन कथा स्थल पर भक्तों द्वारा रुद्री निर्माण एवं रुद्राभिषेक किया जा रहा है। वहीं रात्रि में संगीतमय नर्मदा पुराण कथा का रसपान कथा व्यास स्वामी विश्वनाथ शास्त्री द्वारा कराया जा रहा है। कथा के दौरान उन्होंने माँ नर्मदा की उत्पत्ति, धार्मिक महिमा, नर्मदा परिक्रमा और नर्मदेश्वर शिवलिंग के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि पौराणिक मान्यता के अनुसार भगवान शिव की तपस्या के दौरान निकले स्वेद से माँ नर्मदा प्रकट हुईं, इसलिए उन्हें शिवपुत्री, शंकरकन्या और रेवा के नाम से भी जाना जाता है। नर्मदा पुराण में माँ नर्मदा के दर्शन मात्र से पापों के नाश का उल्लेख मिलता है। कथा में नर्मदा के अद्भुत प्रवाह, अमरकंटक से पश्चिम दिशा की ओर बहते हुए अरब सागर में मिलने तथा नर्मदेश्वर शिवलिंग की महिमा का भी वर्णन किया गया। कथा व्यास ने कहा कि नर्मदा महापुराण मानव को अहंकार त्यागकर समर्पण, श्रद्धा और प्रकृति को परमात्मा मानने की प्रेरणा देता है।